

रागमालश्री			रागमालश्री		
वर्द्धीतवानिः रवा	पाना ८७-५६	१	ऊयरऊगिनि	॥	११
दनिविधिमरव	४७ — ५७	२	कालिकाऊगा	॥	१२
पनवागः रवा	॥	३	हगावनि	५० — ६०	१३
माकादवि	॥	४	हऊलप	॥	१४
त्रिरवनः रवा	५८	५	कालिकाऊयहे	६१	१५
मांजमेदिम	५८	६	कनुछामाखिष	॥	१६
वर्द्धीनिऊंः रवा	॥	७	ऊयकालिकान	६२	१७
ऊर्घनिकनाथ	॥	८	ऊगाकमामाकांक्ष	॥	१८
नमारनमादवि	५९	९	धी गंवज, भूनमू हमि माइ		
ऊगाकऊमनिध	६०	१०			

माल श्री ५८ अंकोइन पाना ५८ दु
माल श्री ६२ पाना

[illegible]

१कङ्पाल	३२	श्री
१जपरलगवान	३३	श्री
१छद्दनश्रीलछुं	३४	श्री
१जयरलगवाःग्वा	३५	श्री
१श्रीरवलुया	३६	धनाश्री
१नासायनइ	३७	ध
१हंडमानिंमाका	३८	ध
१लगवाघागुया	३९	ध
१हायरमनोद	४०	ध
१श्रीह्नकृःग्वा	४१	सारंग
१मेगदन	४२	सा
१जलगवानःग्वा	४३	सा
१जयरलगवान	४४	सा
१किमसदामव	४५	सा
१सवृपनःग्वा	४६	हपालि
१धूमिरवल	४७	ह
१वलोकाछं	४८	ह

लिहृगिल्लाहृलि	६३	ना
सगगुतू	६४	ना
दसमल्लोःग्व	६५	पहलि
तुंधगिकल	६६	प
सगाचाघल्लोकःग्व	६७	प
पूनूरुवपनस	६८	प
घनधानःग्व	६९	प
वलहृपाकाल	७०	प
माउपासाग	७१	प
हनिक्किवि	७२	प
यउविसं	७३	प
कृजिहतुंवःग्व	७४	वल्लादि
हल्लीकरुव	७५	व
उयरुपवति	७६	व
सदासमीहह	७७	व

गुनियशकुम	७८	व
कनगुलमुम	७९	व
कुनियशजि	८०	व
मृगप्रियकान्ती	८१	व
नायसमद	८२	व
नयकनृपाभय	८३	नाऊविज
नमारद्देवि	८४	ना
मलोकेनाथःनवा	८५	ना
कवानिहं	८६	कंदान
मपानमलनिर	८७	कं
कोलवन	८८	कं
दनिवेग	८९	कं
नखिर्हं	९०	कं
कवानिद्धिव	९१	कं
गुजाखुजा	९२	कं

[illegible]	९३	कं
[illegible]	९४	विहाग
[illegible]	९५	वि
[illegible]	९६	ब्या
[illegible]	९७	ब्या
[illegible]	९८	ब्या
[illegible]	९९	ब्या
[illegible]	१००	नामकलि
[illegible]	१०१	[illegible]
[illegible]	१०२	[illegible]
[illegible]	१०३	[illegible]
[illegible]	१०४	[illegible]
[illegible]	१०५	[illegible]
[illegible]	१०६	[illegible]
[illegible]	१०७	[illegible]

त्रुटिमृत्युनि	१०८	मंगल
मिनिनिर्मनाथ	१०९	मं
जवित	११०	मं
वालतसः रवि	१११	मालउम
मा कोतनि	११२	मा
कालिक्षला	११३	[illegible]
धिनध्वस	११४	कला
दनिहनि	११५	
कुशलसः रवि	११६	मानंग
नहमे	११७	मा
मा२श्रीजगा	११८	मा
श्रीकाल्कामि	११९	मालवा
श्रीदविः रवि	१२०	मानंगा
वणुभाना	१२१	मा
माजाजिजन	१२२	श्री

श्रीछाक्वामिनि	१२३	भामा
मेसालसनल	१२४	वलागत
भूजपुत्र	१२५	विलास
जेमाधाविनू:रभ	१२६	काहि
हहोलचावाध	१२७	मंगल
धनमयाह्व	१२८	श्री
शुचियमति	१२९	हिंप्राम
वलाभूवन	१३०	जपजर्म
उग्रसध	१३१	विलास
भानन्दहउान	१३२	जयजर्म
अनयाजिव	१३३	कला
सनिनमसिवर	१३४	भासार
मधाकामनाद	१३५	
जयप्रहरा	१३६	सार्वं
जाडुवलानि	१३७	सानथ

मेगु पंजिका ८० जाम्ना
नरमर्त योसोहल ८०

वसीत ६८ पाना
राम वसीना ६८/७६ म

श्रीरागनि पाना ६३ पाना ६३

ॐ नमो श्रीपद्मनिरेश्वरनाथय ॥ १

सान न्दैर्शधीमुख्यैः सुरानगादमुखैः
माविकं यमवशः रमोमोज्जन्मकीति
संहरघृमिकन्तमुदिरैवन्द्वनिहकिरं
यैः स्कन्दे नृत्यमाद्यः कनिमदीवि
वसुव्याघ्रचर्मक्लिनियैः वन्दे स्वयम्भु इ
वतंसननमालकवनैः पार्वतीसंश्लेन्ति ॥

श्रुभसंवत् १०७३ झ्किकलाथ १३ तः
मूलैनालः सलुलिपर्द्धयाः जोलाथनः
कुलसनेसिंह्याधर्म्मविकरण्या ॐ श्री
लिखेनाथप्रितः मूसैः दसिदापासः
धूनुः जिकयाः यत्नुपूष्ठ कोई माः लेखं
कोः मूसैनालः वलार्कयाः वृधनेत्नेः
कृलः जथाद्विसैः कथाः लेखकोद्
पंभिक्षुः शुभं ः मंगलं ॥ ० ॥

रागः ॥ प्रथमंजलि ॥ तालनिमां ॥ ॥ निलुना
थदनः नवजसजंग ॥ नादिरिंदिव्यतालउथल
यसंगय ॥ आदिनाथनिजःखजननिवास ॥ स्याचि
पदपकजमधुजवास ॥ ॐ ॥
रागः ॥ प्रथमंजलि ॥ ताललगां ॥ ॥ जयंजयंज
यनिलुनाथमदस्वनः अगिनगुंधजजवाल
धू ॥ वछिस्रकपूगिउनःवछिसासिंधूनिउ
नाजअंजयअंगनसकूमानःजयनिलुनाथ ॥
१ ॥ नंदिरिंदिप्रमस्वनःसछिमनःहनसनया
मनसनसनविश्वक ॥ लगनआजूनिजाककाम
नापूजनयाक ॥ नियाजगनजयनह्राकःज
यनिलुनाथ ॥ २ ॥ ॐ ॥
रागः ॥ प्रथमंजलि ॥ तालप्र ॥ जयनिन्द्रथवन जगाक
नाननगाजनिमनंनाछ्विपासा ॥ सिधिवोधि हलवो
अगिनवल पूनन याअजिन्यासा ॥ हसिव ॥ १ ॥
यवनंगिनी अनेसनंगिनी हलिमधिनकस्वास ॥
जगलवपूनसूननिछ्विगुल भगमनूपकमासा

सिवजय ॥ २ ॥ वित्रुमाजनगवाशुकिद्धगस
जक्याधूसिडलाठा ॥ ज्ञालशुवबसजयप्रकाश
नसिवमहमाप्रकाससिवजयनिश्चवमजगान
ङ्गस्वनसिवमाप्रकासा ॥ ३ ॥ ॐ ॥
(राग ॥ प्रपमंजलि ॥ तालप्र ॥ जयनिमश्वनदेव
महसान निम्नछद्धमथ्यविम्या कन ॥ ध्रुं ॥ नं
दिहिंदिउस हगव्यमालया मयया मृान दया
कन ॥ जय ॥ १ ॥ जगयाहेससथ्रसाद्धि नाग
न त्रिशुल दंवनृ थाकने ॥ जनसपोलधध्रुसान
सिलस वालस्वबन्द्रुमाधिकने ॥ जय ॥ २ ॥ न
सिकवसिनलिधृजगु मालमालक्षिकस्वासने ॥
दयालक्षियानाथ जनाथयाज्ञाकक्षजयपन
कासने ॥ जयनिनसान ॥ ३ ॥ ॐ ॥
(राग ॥ प्रथमंजलि ॥ ताल ॥ स्वजति ॥ नाम्या
नामकयाउर्जनमहनसाउ ॥ ध्रुं ॥ माया (
माहूपापजालमालनाउछ्रंअन ॥ नास ॥ १ ॥
जर्मउउनयाउनमजाद्धाउ ॥ याउनजगन

(रागनिर्वाज्ञ ॥ ४ ॥

(रागमालश्री ॥ ८ ॥ ३

नहनिगुथल्ह्लागत्र॥नामना॥ २ ॥पललासल
यह्रुमिजिउाउ मि गाउा॥गिनथधत्रमदमहलाम·
वायाउत्र॥नामना॥ ३ ॥कउानसंसालननालिप
बालनिउि॥थूलियाह्नुलिमहयपनलिनकाउि
त्र॥नामना॥ ४ ॥पनलाकलिनगामि·हयालिन
नाउि॥जपपनकासयाहुवलगनेनाउात्र॥ना
मनामकयाउाउनमहनेम्वउा॥ ५ ॥ ✱ ॥
राग॥प्रथमंजलि॥तालप्रम॥ ॥हमानिकदि
नहयाकागानिमनिमाज॥कालाजां दनमन·
नाउ॥हायरभनिग्रमनाथ॥ १ ॥नाजिन्द्रविक्र
मनाह लननृपनाजें॥कोहिमहिसमनमवहा
व॥हायरभनिप्राननाथ॥ २ ॥ ✱ ॥
राग॥प्रथमंजलि॥तालवा॥निगधत्रमकस्य
मनासउनाउि॥पनजाविवाल·यायधनमनया
उ·विवालनियाकउनमाउा॥ १ ॥नृपजय
पनकासःह्लाकपालिमान॥ननमगपलहयाल

ङनह्गासः विवाल निया न ञाङ न्हाञो ॥ या

य ॥ २ ॥ ॐ ॥

राग ॥ प्रथमंजलि ॥ ताल ॥ रवजति ॥ ॥ प्रह

जिनगाथ्थ कछलकसिनिजांगत ॥ स्वयम्भुनि

शुंधपिकपनि या जा गत ॥ मृगि इस्वसिलत ॥

॥ १ ॥ छलपालश्वमसयात्मनिपुनिमाल

त ॥ इशुजिनगाथ्थ याच ङयिगसंदानत ॥

मृगि इस्वसालत ॥ २ ॥ निपजागिपतका

सलज्ञाकत ॥ स्वाद्रुनिया ङ्जथनिछसीइय

कालत ॥ न्यायमनैमा ञत ॥ ३ ॥ ॐ ॥

राग ॥ प्रथमंजलि ॥ ताल वो ॥ ॥ स्वादिसनाञ

नशलमृपगाछित ॥ पतगनइलमृनदवका

मिकाछित · पशुपतिसिवमृनाथ यागनित पस

पति ॥ १ ॥ ञसदवपतंनेनवछलादेवि

समित ॥ पापसोवसयानावानवागामगित ॥

पशुपति ॥ २ ॥ वालाउलआसवलननलूलति
उउमित्र ॥ वृकुदउ दनसमलाङ्गउमूगु
मित्र ॥ पशुपति ॥ ३ ॥ लक्ष्मिदवीन ह्ना
न ध्वखकतिमूनित्र ॥ ङ्गउज्ञासनयावन का
मिउउमित्रः पशुपति ॥ ४ ॥ ꣼ ॥
राग ॥ विलास ताल
राग ॥ मैताल ॥ तालवउमो ॥ दादं तङ्ग
ना कअथमहिंदनमूवलाकिनध्वमूत
दं वैं ॥ कमलपत्रगुलोवनामूखवध्वव
कवङ्गमहोगोलं ॥ दहिसवामकपद
दकै मूहयवलहलदायकं ॥ दा
दादं कनकमधउधान ॥ ꣼ ॥

हि ॥ ८ ॥

१ कपर्दिमायाया ॥ ४० ॥

रागः ॥ विभास ॥ ताल प्रता ॥ ॥ कपर्दिमायान कोठ ।
॥ ध्रु ॥ ठिउसजिस्या ठाछि पालिमजाका· जुरवयात्रसतु
ताया ॥ जोस मजि ध्वन्धाधित्रनास· जमयापासमय ठा ॥
॥ १ ॥ हि ठनोउ कठा ऋसणमथस्या· मूजनगलम
छिठा ॥ मुनालिमनया· लिमलसायना· मरवृतुलपूठ
इठा ॥ कपर्दि ॥ २ ॥ पुजानमृदिन· मकुमकु दवो· मप
नपदक्ष उमना ॥ क्रिनिर्हि सादिस्य ऋसंगनहिन· छिना
मवायसलाना ॥ कपर्दि ॥ ३ ॥ जूनगविधिमनजयाप
लिम मल्लमहिद्वनक्षाना ॥ ठु यायदामिग· ठिसाजिपा
पिया क्लिठुयादासनजो ठा ॥ कपर्दि ॥ ४ ॥ ठ्ठ ॥

२ ॐ स्वस्तिगुरु स्वस्तिना ॥ ४१ ॥

रागः ॥ विभास ॥ ताल रवउति ॥ ॥ ॐ स्वस्तिगुरु स्वस्ति
माना ॥ ध्रु ॥ कनुनामिखान २ थ्वजनूनाभमिजा ॥
ॐ स्वस्ति ॥ १ ॥ वद्धुकिननउति· छिनुपसागउ
जाति ॥ मोलसालाहिन २ मूनि· चोदिलगावनि ॥ ॐ स्व
स्ति ॥ २ ॥ यायमङ्गहि लगानि· सदामिवजिवीन
नि ॥ विचमवो इरव २ भूनि· छिसननगानि ॥ ॐ
स्वस्ति ॥ ३ ॥ मरहिकाजिमूनिथन· सदलपा
वोनामटि ॥ महिन क्रूदिन २ पुनि· लखलेपि

नयानि ॥ ठ्ठंस्वनि ॥ ४ ॥ जगनस्समइउनि
सदासिव जिवोनानि ॥ ज्ञावाम्ह यानिनरगनि
रुपायाउसमुरुगुनि ॥ ठुंस्वनि ॥ ७ ॥ ठुं ॥
त्रामा ॥ विसास ॥ गालदोनां ॥ ॥ मधुपूनिव
तगिमूदा लियकंव्यलि ॥ गूायसखिवीसन
नपूनुवसिनदं ॥ कनगोनिविनगिमूदान
कंव्यनि ॥ दहादहस्वानलकमलपदसेवा ॥ १ ॥

रमधपूनि ॥ १२ ॥ रस

रहोरदंजयठ्ठंस्व ॥ १३ ॥

कना ॥ विसास ॥ गालस्वजनि ॥ हाहादजयठ्ठं
स्वनसनन गुमाना ॥ ॐ ॥ हारदं उअभिनू
मूनिमानानहिंगनानाहिं ॥ दंवठ्ठंत्त्रपानिपा
ननेहारदंजयठ्ठं ॥ १ ॥ नजपभिसोन
नानि कनासिनजोनि ॥ मृपनाधकेनिमाना
नेहारदंजयठ्ठं ॥ २ ॥ ठुं ॥

रागः॥ विलास ॥ ताल ॥ त्रीमां ॥ ॥ ह्लादखर
कुलनायक खवर्धनधात्र ॥ ह्लादखरान
पालिन खपिगनसाध्य ॥ १ ॥ ॐ ॥
रागः॥ विलास ॥ तालयाद ॥ ॥ सालआन
मिखिमन ओगिनियाहस्तहस्ते ॥ आपून्नषसी
यखिनउसाधआनाअर ॥ १ ॥ मूहस्थ
थकनम प्रहमडुथजिदय ॥ दङ्गवन
दलस्थाय मूहागिनियानर ॥ २ ॥ निप
उथपनकास ओकवबनदासाल ॥ मद
नखपालप्रहदनसनलायर ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रागः॥ विलास ॥ तालत्रीमां ॥ ॐमाह्लाप्रह
हिमसनमसाविन हङ्गनव ॥ नाद्राध
नधूभसनकिंस्र कमान ॥ नविगउ
माहोविनहयं केनन्नू पे ॥ ॥ ॐ ॥
रागः॥ विलास ॥ ताल त्री ॥ ॥ सायरबा

नपवानउनास्वल उनक्षाउा ॥ ऊँ ॥ वंक्षघन
नस्वानहलःषानाउवनाथसःमंगापीछिस्वस
यथहाल ॥ नूगुमिछिसउलरवालखमवा
मनिस्वलउनःहायर ॥ १ ॥ सलकिसिःविपा
उपललपक्षानयावालस्वहननइ॰उम
मया ॥ लखजासउलधलसरमलनयाध्व
वालषमवानःहायरू ॥ २ ॥ क्षिगयाधि
नत्ताउकूक्षात्रःपूत्रीक्षिक्षाजिनीमियाःक्षि
मकाउक्षानन्दनवोना ॥ थनिराथ्वइल
किटर कानमसंथासहलगुमसियाःहा
यर ॥ ३ ॥ प्रहस्वामिप्रानक्षपवालप
मवानःथनउलगुमरवनालाप्रर ॥ नय
गथ्वथ्वपनानरमलनयाध्वालरवम
वानःहायर ॥ ४ ॥ ववाङ्गयाववनस
वालखमवानस्यंःधनमयाकपानसउ
मन ॥ ज्ञाकमक्षनाथजनरयाङ्गुने

राग २ वाश्रिव ॥ ९१ ॥

उधातननाग·डायर ॥ ११ ॥ ॐ ॥
नारा ॥ विलास ॥ नाललं ॥ ॥ दाद·गन·
पमिविननिह्ं झनगुदयान ॥ निधम
जनसह्लकनमसंवासहलजगन
गद्दलजिह्उआल ॥ बिवीधिवीहालस्या
पथउथिमिसाक्षधयमह्यानहल
लिकयाल ॥ रागप ॥ १ ॥ वयलिया
ह्मसाहाल·यानागमजिउह्मस·ॐ नध
नमडइघलसाल ॥ धंदाननपानाल
उनधामातिलगना·गाथ्यहलधिथि
नकपाल ॥ गाथप ॥ २ ॥ मूासथास·
ह्विनागंमलमडगनठं·सयानंह्वा
चंजिलह्यमाल ॥ कायमइनमूगि
हलयानउविपामि·ह्वानजिगभुया
केवहाल ॥ गनप ॥ ३ ॥ निपालह

रागपद्धति ॥ १८ ॥

११

मियाधनिश्रीत्रनजिगमल· जसमनया
ॐ जविबाल ॥ नूगलनमक्षानाउ·क्ष
यजिनथ्वँवधाराः वत्रपनजनथ्वज
त्रमःगानपमि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
त्रागा ॥ विहास ॥ नालःलं ॥ ॥ दायरम
निव्रू द·समनारवना दया·इ क्षनागा ॥ ॥
नित्रघगजगमयामेःजगमयादपूमक
यंकात्रगा ॐस जल ॥ नाँसनहोना
बानरविजजिगत्रगागमांस·सायर ॥ १ ॥
नाँसयारखालस्वमें·कनूनानं दयाग
मेसनिलयामांसदानविले ॥ नाँसयाह
खंइसरत्रक्रमांस·दकोरक्षेयाग·सायर
॥ २ ॥ थजनानिपक्षावमि·पक्रुपक्षार
गनकूमात·विलापनक्षूकोजयाजन ॥
नाँसनूपदवनाजांर कनूनानंस्व·

[illegible] ८ ॥

याउविग्यान·हायर॥ ३ ॥देवताउद
वसनविस·मिगसंडिवउखधिंपासज्ञा
पायाच्चसविलउल॥ज्ञागापवज्ञाप्रलि
मिनंदवखनवाउंलागयाग:हायर
॥ ४ ॥ज्ञाकस्मनाथउन:वक्राया
उच्छलपालं:मनाथेयानाथउयमा
ल॥संसालसनासदक्षरमनिवृदवा
उयामवन·हायर॥ ५ ॥ॐ॥
रागा॥विलास॥मालवाद॥नागावया
ऊनविनगिमवधान॥ धु ॥मालि·
नियाछ्सउस:वासयासदिलउस॥
विसहलमाखलयाखान:नागाव॥·
॥ १ ॥कृवगछ्सिवकनःइवउनथ
मझुरी॥सलवासहल:उिषयाउ॥ना
गाव॥ २ ॥ववनयासालाविस:इव
उनमलछासे॥ाया·थनधवमगया

॥गीत॥ २०॥

ऊयपत्रकासमल्लःज्ञाकोववध्ययासात ॥ ५

अःनाराात ॥ ३ ॥ अवलसगुपननअ
याछिकेदत्रसत्र ॥ लानाजिनछिकेभूनि
नानःनाराात ॥ ४ ॥ पूत्रवयाधत्रमेःवि
लजिनदडुँवन ॥ मनत्रथपूत्रधयाला
अ ॥ नाराात ॥ ५ ॥ ऊयपत्रकासयःनि
पनिववनज्ञाक ॥ शुखलायधत्रमया
नाअ ॥ नाराात ॥ ८ ॥ ॐ ॥
राग ॥ विलस ॥ नालप्रना ॥ दपिमाःमवस
दिसोनखना ॥ ध्रु ॥ पिमक्रनायानाअ
नयाछ्रदंअःविज्ञाकश्रीलगवाघ ॥ नू
नगाहिहुनलिगकाअःथमहुँअनवा
नाअविघाक ॥ दपिमा ॥ १ ॥ थथि
नत्रूपनपजविघालनःविकुलिउ
पमानयाअ ॥ भुवनमयाछेमेःलाअ

देशियमाखबुध ॥ २४ ॥

न पूनाथ्व मिखा कमानयावाग्व ॥ दं
पिनो ॥ २ ॥ शुवर्हमगु कस पक्व
मि कूगुल गलम हं लमनिमा ला ॥
विचित्र विवस दिगु लिवस्तु न कें
जनगंधर्वनूप ॥ हं पिना ॥ ३ ॥ मूनं
गान्त ल्हाथ झोना छिछिलि का दंल
यापिंड पात्र ज्ञाना ॥ थथिनन्नूपथ प
नविङ्खालन ऊँ खउँपू जो ह्र या
ञ ॥ दं पिना ॥ ४ ॥ कर्म्मन कर्म्मन
मिदान मालास विङ्का कपूजा ह्र या
ञ ॥ छन कें हस्कस ख्वान गुपिंड पा
त्र खनाउ ग्मानं दङल ॥ दं पिना
॥ ५ ॥ स्वांउ अवा छिन ज्ञान थनापिं
डपात्र लङ्गाय मनाबं लः ङ्गाल ॥ :
कूनगा ग्मासिव धम्मनयाञ कोसं

सिंमूक ध्यान ज्ञल ॥ हं पिका ॥ ४ ॥ ख
ङ्गन खं स्कं सेन मजयाः ङ्कास थ्यु
प्रकारं ङ्खल ॥ जाङ्कया वाकें न दानि
द्रुङ्गः खेन पापन गाल गाउ. उाप ॥
हं पिका ॥ १ ॥ धंन्या जि गमधन श्री
साक्य सिंहन. विउं गु माम्रिखलाधा ॥
नृपति श्री जय वा ऊं प्रकाम मया मूखं
द पन गाप वाल ॥ हं पिका ॥ ८ ॥ कौ
स्वाना ॥ विमास ॥ गालली ॥ हाद.स प्रान हु
याप कन मया हल ॥ धु ॥ हाद.स गुनि
याजि. दं याखलिना गहल थनि. दल
मस अमन जिउ ना ॥ धन्दे र जि लाप
न. नाग स्लाक सजि थ्यन. नाना गु उा
दन्स मन याना: हं प्राम ॥ १ ॥ वप
कनास चा गाना जाप माल गाउ. हल

[illegible] ॥ २२ ॥

सान थाधविया गल ॥ ददथ याथा
संथाना· लायवृयाश्रासविल·नाद
गाना जा नथ नाउथान: दुप्रान छ
या ॥ २ ॥ नागाना जायादयान·थ
संथायापदलस·दहथनंपनछो
यादल ॥ क्राकक्ष गुरथनिजथा·ह:
गावान्यासेनलस·जगारझलजिस
नेग: दुप्रान ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ०
राग ॥ विहास ॥ गालजलि ॥ श्रुनरवनला
ॐ विनगिदमाना ॥ नकलियस्पविम
नवलिनाजस्मां ॐ ॥ १ ॥ नमाथावा:
लस्वदायरप्राग ॥ नाजिन्द्र विक्रमसा
हादवन्माहान्य ॥ २ ॥ ॐ ॥ ०
राग ॥ विहास ॥ तालप्रता ॥ दुमांव
नथमजिविनमिमात्रुलिरवनया

ऋतुराग वसन्त ॐ ॥ २३ ॥

२८

पकूनाव्नि ॥ ॐ ॥ घनधानवृषरुसत्क्ष
तनमहिषगस ॥ मिलसवलुमास्वरा
कुलिसरुदलगस ॥ स्वगु ॥ १ ॥ दे
नभाजिमाजिकयाक्वा ल्लाक्वा ल्लाथिवकेस्त
न ॥ गालमबे स्वासनयाघनयामिल
याम्हाल्वा ॥ स्वगु ॥ २ ॥ समुबियाकूल
वास यायूभगुमडुथास ॥ जगानमन
मदेविमवानिछिंछ स्क देवि ॥ स्वगु ॥
॥ ३ ॥ नेपालयाछ्ठ त्रयमि थेनमवासा
हन ॥ विवालजिंथोनयाअन्यपाल २
मियाधनि ॥ स्वगुनि ॥ ४ ॥ ०ॐ० ॥ ०
नारा ॥ विगस ॥ मालवे ॥ पद्मस्परवनजा
रुकेमानकनूनायाधनि ॥ ॐ ॥ सिंघसा
हनमाहानागमूरुवासपनूस्व ॥ पङ्क
मोपदपकाअसंग्रामसवेघा कः पद्म
सेस्वन ॥ १ ॥ स्पर्भैनकनगानसलिछ

॥ श्वेगोल्लवाटं०८ न्हिरे

॥ रागवरदानि ॥ १५

याना विस्मक ॥ गिने यायधुन नागमाः
लनाउविम्याकः पध्मस ॥ २ ॥ क्राकः
म्हगूरखानिउन के मायायमाल ॥ न्यपा
लयाह्क्रुपमिशुविन्द्रविक्रमः पयम
सपन नाउकृम्मात ॥ ३ ॥ ०ဝ ॥
रवारा ॥ विलाम ॥ कोलवी ॥ दपालयाति लाम
निरश्रीवज उमिनि ॥ जिठलस्यानयाउ
नः रसारवलमिरवानस्वसदं ॥ १ ॥ सिलम
वद्रमाथिक रमनिमालाकलाम ॥ मूलद्र
नकिलालसरथउलापाथमदास्वसदं ॥
॥ २ ॥ उननिंदरूनकिथनिरमूनेगाया
इः रवहं ॥ क्राकम्पाविननिरकेनमय्य
पापलोगादं ॥ ३ ॥ गुसलउनियक्रसर
वेगक्रमूखुक्रस ॥ गिनिवादाइधवि
क्रमरमाहानाउयावलसदं ॥ ४ ॥ ०ဝ

२७या लयामिलो ॥ २८ ॥

नाग॥ केहूवता॥ मालङति॥ साङनिध
याग्राधनमउपाय॥ ॐ ॥ हंसरिचिठहु
न्यजिविनमिगाथ्वलाघङधूपनि·विहु
लङनमउविनान॥ दहूवनघलक
लनिक्षनिविहासनलहूयाम्हउपाय
मूवलाठःस्लग॥ १ ॥ हंसपिवीजाग
मासनकेसइःस्वदंहंनमहूनपिक्षो
चनगिजगिह्लायाग॥ हनिरविमूथ
नविनसयाघालथदहलपूथगुलि
पनानःसाङ॥ २ ॥ हंसखिथउाल
वंदनयाथ्वःदनिउपिनगिहूँथः मा
जठलपापिकूवुङल॥ स्वगुलिहव
घदलेःशुवङवडेमारवले कूवनाधि
मइगिसमाहःसाङ॥ ३ ॥ हंसपि
नवहूलनाद्द्वउनाओ·जिगुलिव्याभा

॥ २९ ॥

नझोउ·दोनकिउपित्रमिख्यनाउ
॥ पत्रउपकामयाउ·पत्रलाकहिन
किउ· ध्राकक्षयाविनगिदनाउः
साउनि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
नाग ॥ कहुकला ॥ मालजगि ॥ दछ्व
नविलजिनइख्याद अल ॥ ॐ ॥
मनयमसालपाथइलजिद अ
ल·सगुनिनछोनाषजदनधनिछ
धाव ॥ सगुनिनछोनाखसजिउया
मेंदहइल·नभियासंनालगगला
यः दॐ ॥ १ ॥ महिनद्वेवपाल
जिउसउक्षिमंमाल· याधयाजन
मदायदाय ॥ ध्राकक्षयाविनगि
सदन्यमालनृपाकिदमनधसे
वालनननायः दॐ ॥ २ ॥ ॐ

॥ २१ ॥

राग॥ कद्रवला॥ ताल जति॥ चित्ररव
पिवास ह्लजि कत्रमथ्य॥ ध्रु॥ जि
ऊंख ऊंथ्यसे न या काय पूजा निस्कागि
थे स्पनासमरव न्याथ्य ह्नग॥ पऊर
पापि जत्र समसपियपुयव ङ्गुस णजः
लयाजि यकान्हन बासेः चित्र॥ १॥ चित्ररव॥५८॥
देसा खिङ्ह स्वया ऊगु गुस्व याब्रान्याजि
थ्य कँस· थ्य हुतिन णुसथियसन॥
स्नुसनि ऊरनू गाल ह्लाया थ्यङ्कन· नू
गाल सथ्य धूनि इया ऊः चित्र॥ २॥
राग॥ ढला॥ ताललं॥ विद्याधरिना
दे ऊ यम ह्लंमाया व ऊ जागिनि संगथ
॥ ध्रु॥ विङ्कमनि(की)त्रस न्यानन्द र॥ जा
थय स्नागयस· वेथ विमानाः विद्याधरी
॥ १॥ कोटि दिवाकर·शूरनसव विद्याधरि॥५९॥

मूल ॥ नमःवर्धं गुह्येनिनपधधरः विघ
धति ॥ २ ॥ मिनिलवंपदि·ञन्ननि ॐ व
नि ॥ विश्वव्यापिनः ञगानमाहिनिः वि
॥ ३ ॥ घा ॥ वज्रखपन खर्चांगालाथ्व ॥ वज्रक
लाल ॐः मनिमय मालं क्लमः विघाधिः
॥ ४ ॥ ञयञयञ्ञागिनु अप दसरा
लक्रमल्लनिपः नु अपदनाञयः वि:
घाधनिनीह ॥ ञ ॥ ॐ ॥
३ भान ॥ चोला ॥ नालञगि ॥ हनूकंथपूनः
नलागुन्यः लाहः वंदाय ॥ नातछिनिली
यामाथ्वमहादान्यलाहः वंदाय ॥ नालली
गइधवेलमहादानः लाहः वंदाय ॥ ल्ला
लघलञा ॐ वीकंड थपविदानः लाहः
वंदाय ॥ १ ॥ ॐ ॥

रागा ॥ श्री ॥ तालत्री ॥ मनिवूतनिवासिनिर
श्रीवज्रजोगिनि ॥ सिंघिनिव्रूनिः धतिद्देवी
व्याघिनिव्रूपिनि ॥ १ ॥ श्रीनयनगुंदनि
नत्रमूंद्रमाला ॥ रवगिनीव्रूपिनिःकैरवासू
नकालेनासिनि ॥ २ ॥ त्रैलोक्यजयनि ॐ
लवितिः ह्रीहितनहिजानि ॥ हेनवमाश्रीकाश
मानसक्रूस्मानकालिका ॥ पंकजकपालला
नकःनागमूसूरविनि ॥ हालमूगनन
नःशुजंघाटितमवदन ॥ ४ ॥ गौर
दविसूमत्रपःगोदउग्रताना ॥ संयापूना
त्रनीः कपाकनाश्रीरवाणि ॥ ५ ॥ श्री
पत्रगापमल्लःसंमालयामाल ॥ त्रिपूक्रू
लनासिनिःकैनाक्षीदयउदासि ॥ ६ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ श्री ॥ तालल ॥ कंजपालपत्रवगवा
नःवसलपादिलउमः मुसिमातसिलम
संध्यान ॥ मूत्रूनपादह्रींउमसहलमाटिया

सुनिवरप्रक्षिता ॥ ३४ ॥

देकंपाक्षि ॥ ॥ ३३ ॥

लक्ष्मस· गा कालचोनउसमान ॥ १ ॥
सलिलसध्वयाधिनदं·पिधुलपावोन
क्सःमूलूकालनत्रयानाविउ॥ मूनमू
नवेदकेनो·नानाउपकारयाना·मगथल
ञिनउपकालः॥ २ ॥वानंञ्जिनंशुम
लपा·मूनदंउयाकेलगमियानाःञि·
खनाउदयामइदंउ॥ स्वउम्वउञि
पायिस्यास्थाल·चोनाडखूलालथ्वलाला:
म्मानं दानिश्री लाकेस्वन॥ ३ ॥लाक
समह्लानउल·धयागुलिविलखिनः
ञिमछ्मापत्रसनजुयमाल॥ धूगुइस्व
ह्मनकिम्मछ्लपालछ्म्मखनो·म्मामा
नउयालल्समान॥ ४ ॥मूगिलियामू
वमालचूपलिश्री जुयविन·श्रीजुयथ
नकाममल्ल॥ ञाकम्मयादंदसलनी

कृयाग्रुप्राद्भ गलः स्वपगलकनूनाद या

न ॥ ग ॥ ॐ ॥

ना ॥ श्री ॥ गललं ॥ ज्ञय२स्वव वानत्रीत्व

ंन्यानाथ ॥ र्के ॥ ज्ञवागउ भातयाकमङ्छि

विनाल ॥ १ ॥ नतयाकूगामंङ्रुसे·विड्या·

कसाराल ॥ मागुलिलीकस मङ्गजालछि

विनाघ ॥ २ ॥ वदसपूनान्न कूगि·ग्निगु

थस्तयाल ॥ नूनेगाःयाःपापूलयस्नेगकूघ

नात्र ॥ ३ ॥ मेनसमलाअकूगि·मादमा

याजाल ॥ कूविनसंसाल·थितधस्तमयाः

जाअ ॥ ४ ॥ छिदासयाछिपालिसङ्गल

धपनाघ ॥ दङ्गवजिमूखवतगिस्वद्भन्य·

दयान ॥ ग ॥ ॐ ॥

त्राग ॥ श्री ॥ मालजगि ॥ दद्भनथीसङ्गत

वविघलिस्वङ्गाय ॥ र्धे ॥ सवमङ्गागिजि

स्थ२स्वानाव ॥३३॥

थङ्गनाोस्छ ॥३४॥

गछिक्ष्मसदायः ह्रूं ॥ १ ॥ मयाना ह्रूः
स उअजिन रु गमउपास ॥ याना २ रुट न
नमाजिउदोकायः ह्रूं ॥ २ ॥ यायम
ह्रूं थनिथस कूल या यसाल ॥ मयासि
समृसवान लोकसकोयालः ह्रूं ॥ ३ ॥
सवालेपनिसथउ उसनन वाम ॥ ला
न कें सढ्मक्ष्मयामनसमृविमासः ह्रूं
॥ ४ ॥ ॐ नढानथ्योकें समूड घः
लसाल ॥ इदाउन ह्रूं सस्वयरुके याइ
उअल ॥ ह्रूं ॥ ५ ॥ थ्वरुगासनिधनमस्वा
कलनसिक ॥ इः स्वयाषक्षायमवसरुः
उपागिगः ह्रूं ॥ ६ ॥ दॐउधकाउ
जिन मृन्यवायामृामा ॥ सउअलपावोदम
क्ष्मनमयाकविवालः ह्रूं ॥ ७ ॥ क्षाक
क्ष्मः मृनाथसिमयाह्रूं नउमन ॥ इः स्वल
नोंसमृदनक्षाद्रूगगिपानः ह्रूं ॥ ८ ॥ ॐ

राग॥ श्री॥ तालम्ह्र॥ दोदःउयंउयंरगयाल:
नदइ:खहनन॥ कामक्रोधल्ली तमोदः मु
शिनथ्वसंसाल॥ ॥ ॐ॥
राग॥ धनाश्री॥ तालदामां॥ श्रीखड्गुयायासनान
नुलयाहृसन॥ कलियापदलदयःदनगथ्व
जिन॥ थिनंवीनानांयनःकलियापदलदा
यदननाथ्वजिन॥ १ ॥लुमसिरलदयइ:थ
यायखजिन॥ नामलोकदन्यमइगायिनकृ
दिय॥ थिथिंवीनानांयनःनाम॥ २ ॥ मलु
सन्यमगःमनंलोकनाथ्वनाम॥ पयाहम
दलदयमनुकुंजनम॥ थिथिंवीनानांयन
यया॥ ३ ॥छिदासयाछिपालिनिपापाय
नखान॥ सीलसगयाउजिनदनथ्वपनान
थिथिंवीनानांयनःमिल॥ ४ ॥ ॐ॥
राग॥ धनाश्री॥ तालखउनि॥ नानांयनहृ
गुयासिसनतनविस्याक॥ ध्रु॥ छिनिछिया
लगाउनःमुनिनगुंधनरखाल॥ उआन

रना मायनहृ॥ ३१॥ श्रीखंदरवा॥ ३८॥ उयंउयंरगयाल॥ ३१॥

व कन्ह ज्ञा सख उन संखन ज्ञा सः गु आ सि सन
मनवी थ्याकः नागं ॥ १ ॥ सिलस नागया
मनि· ह्मसथ नागयापास ॥ वालस कस्वास
नया गुलसियामा लप्रस्ह्रः गुया ॥ २ ॥
ह्मा कमयाविघनिस दया दयमालप्रस्ह्र
दना उदनसनविउझि नः नागं ॥ ३ ॥ सि
पालयाछत्रपगिथी जयपरास्कृमल्ल ॥ व
उस्व गुना ह्मलायस्हे का उः नागं ॥ ४ ॥ ९
रागा ॥ धनाश्री ॥ मालसी ॥ दं झननीमाना
नास्हं जगादिस्वनिम्नासा ॥ धुं ॥ गुउन्नपद
पंकज· ध्यान जपनप ॥ सोहिनिम्नूनापड
धानकनोजनत्रिमाना· नास्हं जगादिस्वनी
म्नासाः स्हे ॥ १ ॥ जनजनदेस्वइः स्वन
हिहन ॥ नाहुदखिसवकनास्वीसनहः
जननि ॥ २ ॥ नित्रदिसनेनमाना· इलि

नविसाल ॥ सवविङ्कनन कुसदहावसापःऊ
नमो ॥ ३ ॥ कुसदयाविनूहि·मूनद्वगाति
मात्र ॥ दविपदलाउसगानिमादथ्यानःऊ
नमो ॥ ४ ॥ श्रीजयङ्गगानत्रिद्भुलिपगुनगभ
र्ज ॥ निश्चर दनसनदहारचानिःजननिमा
मामोहजगादिस्वनोमूसा ॥ ग ॥ ॐ ॥
राग ॥ धनाश्री ॥ तालऊति ॥ लगावानःगुमा
समनसनविङ्काक ॥ ॐ ॥ प्रथमयारहमि
रोमेः जलामयजहसवाद ॥ कमलसङ्गामितूः
पदनसनविलप्रहःगुआवास ॥ १ ॥ वुधः
धर्मसंघःस्वमनङ्कम्हसे ॥ विश्वरूपःदन
सनविलजिनःमूनप्रहःगुपा ॥ २ ॥ मै
त्रिसकोटि दवगानःपूजासागजलमून ॥
त्रंस्काविश्रूमहस्वनसाद्दिःटऊयाउमूनः
गुयावोसे ॥ ३ ॥ श्रीमदामंजश्रीनवत्र

सामखजआस ॥ लखदकामलमाउःआमिनू॰
पपूआयाकःगुमा ॥ ४ ॥ खजुदनाउलःआ
मिनूपमाकपूल ॥ साक्षिकनमामइलःपं
कृपूतिदयकलःगुयाथी ॥ ७ ॥ कपाल
माकृत्रपमिगुमद्रविश्रिमधमि ॥ क्राकम्फया
मघनथपूनयानाविउप्रस्र्ःगुयावासन
सनविष्काक ॥ ८ ॥ ॐ ॥
योग ॥ कह्रकोला ॥ गालप्रमा ॥ सायश्मनाह
नाःनानि ॥ ॐ ॥ ववाइयावखनसइथउा
नाबानानानि ॥ महिन्द्रस्मननाआयाथास
सायर ॥ १ ॥ कार्वगिकदसयापर्जाला
कदवनानि ॥ धनमसंगयाउम्रानन्दन
वानाःसायर ॥ २ ॥ हत्रिरजिकनमप्राः
नपियानिंउअनाउन ॥ सपनसमरखना
थविआगाइलःसाय ॥ ३ ॥ सायरशुंध
निरुगामआदिनिनानि ॥ यानउानास्खल

स्वेयश्मग्निदिग्ना ॥ ४० ॥

३५

जनजक्षत्रानपियाति:हायर॥ ४ ॥नाऊमू
नुकदक्षमायागालगाऊ॥सनाहनापियाति
नलनिजनःहायर॥ ३ ॥ङपालयाछत्र
पनि श्रीप्रिथिविनवीक्रम॥ज्ञाकक्षयामनन
थपूननयाजःहायर॥ ४ ॥ ॐ ॥
राग॥ सारंग॥ ताल॥ पंचमां॥ऊ·सिपिलक्षुः
खनवकन·तादापस्त॥वतु हऊनानीयन·
नाक्षदाना॥मेलाक्वा ऊः खनमलाविष्णु॥
लसाढं·नंद कुमार॥ ॥ ॐ ॥
राग॥ सारंग॥ तालक्वा॥ मनहतिसवजा
लीसखिविंद्रावनजाऊ:मन॥ ध्रु ॥ श्रुती
यमेनि विननि कनकनजानी॥ विनहसहन
नतिप्रानपूनषविनः मन॥ १ ॥ नाजाय
यपनिश्रीननवासाइननिप॥ दखनमोह
यपतुमनिपगुनःमनहन॥ २ ॥ ॐ

रसँ रागजाति ॥ ६३ ॥ श्री

रागः ॥ सारँग ॥ ताल ॥ पँचमी ॥ ज: रगगावान:
मामकिलावनिपम्ननिमाना ॥ वसुदिगह
गवान: कतूनदाना ॥ नङूलाक्का ङूस्वनम
लावूध ॥ श्रीधर्म्मधातु ॥ ॥ ॐ ॥
राग ॥ सारँग ॥ तालवो ॥ जयँ रगगावान
लाकेयासनपूजा ॥ धुं ॥ जूलाजाटितूपल
वना ॥ जपनयध्यानयाय· जागासमनगस:
मनसंत्रवनयाजा ॥ जयँ ॥ १ ॥ वूधधर्म्म:
संघयाव्रननससजाआनया ॥ धर्म्ममूनिन्द्र
यालावना ॥ दानसिलक्षाँतिविर्ज·ध्यान:
प्रज्ञा·वूधयासननन्हयाजा: जयँ ॥ २ ॥
ङ्ङिन्द्रादिदेवगन·मूनिजनजायासनया
कासमाधियालावनो ॥ नविससिपङ्कवू
वूधनामसंगनि·गनिलाप्रजासमिआया
ना: जयँ ॥ ३ ॥ क्षावक्कयाविनेविसव

रसँ धूँइरागजाति ॥ ६४ ॥

ननसस उआ गया ॥ मा स्थ गूनू स्तु नरवना ॥
लोकसनस उआ याय· उासया ववनस· धर्म
नउ ध्वान स्वा उाः रुपं ॥ ४ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ सारंग ॥ ताल प्रका ॥ ल्हिमसनभवस
इ वलनछि उाति ॥ ध्रु ॥ नथिमसतनथिवी
न· नक्रस· सदानथित ॥ स्वाक छिनगुलिस
लं दाल: ल्हिम ॥ १ ॥ इर्पति याम्नूपमान· या
स्नख्वलसरवद्यान· उावलसयाना प्रमिरयास
॥ इउां धनयावगुमान· धूसासनयापमान ॥
स्न गकलनसनहि गाना उाः ल्हिम ॥ २ ॥ उा
नध्या· स्था· लान उाः मास्याइ धस स्नु द्या उाः उा
लामनदहनिस्नास्थल ॥ स्न स्नूइ यामिरवा
लाउाः मनसछि वं नद्यान ॥ स्नु याय स्नु ॐ ·
उानिदान: ल्हिम ॥ ३ ॥ गुउा स्सयागुनगो
क· गुपनवासससाक· किंवकस्न रवदामू
दायाक ॥ विलान स्नपनिस्याक· लरवलपू

॥ ६५ ॥

जसला ॥ वयलिमालयनमनथकः हिम ॥
॥ ४ ॥ भिनापगियामनः डुपेमिश्री हिमस
नः विह्नन छिपालिपाद ध्यान ॥ संसालया
शुस्वसालः थूगुलि तुंवानेवान ॥ मवस्याक
नाजाजि नछायः हिममसन ॥ ग ॥ ॐ ॥
रागा ॥ रुपालि ॥ ताल ॥ पंचमी ॥ हादः सव्या
पत थसिजः जनलिसहिंनत ॥ हादः धनस
दनथकलिमसूतजनसंरथ ॥ हादः हन
स्विनलंथंकनतिजगुनसंगथ ॥ हादः कुमू
दिनिनासहथः जगाजयरूप ॥ नाम उायव
दूविमनंरथ ॥ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ रुपाली ॥ तालपलीमां ॥ घूमिघूमी
स्वसमिव· माहादवस्वामि ॥ उथिरयोउनी
समिगोरममामाः घूमि २ ॥ १ ॥ हिरिवडूं·
निनविजागिः वयंवनलागि ॥ सिलमूल

मवनिन·नयलिमापथः घूमिर॥ २ ॥ ङ्गनिः
यल दंवनः तुगलऊंपमाला॥ ङ्गनिंयपलव
सहाः ङ्गानलावागछ्लाः घूमिर॥ ३ ॥ लन
यविद्यापनिःगुमऊगनमाना॥ उनउहिउ
लमनश्री ह्वनदानाः घूमिर॥ ४ ॥ ॐ ॥
रनाग॥ रुपालि॥ गालपलिमां॥ वलोला ॐ
धिनर इत्र दसऊा ॐ॥ धुं ॥ दसांदसहिन
महः पूजाविधिवकनियः वलोला ॐ॥ १ ॥
पंथघूमिघूमिघूमिवक्रोलाऊरवा ॐ॥ श्रीना
जिछ्रविक्रमसाहेवकनियः वलो॥ २ ॥ ॐ
रनाग॥ रुपालि॥ गालल॥ मूनिवननानदग्रा
मानिनंगाहमि॥ धुं ॥ निगामेश्रागामवृधिवि
मान॥ ननमनहनिपद ह ऊगहिमानः मूनि
वन॥ १ ॥ ननपनिनायकःमूनिगुणमाल
॥ हनन धवालाइनः कविहियसायः मूनि
वननानुद्र॥ २ ॥ ॐ ॥

२वलोलाङ्‌धिनर ॥ ४८ ॥

२मूनिवन ॥ ४२ ॥

स्थाग॥ मंगाल॥ माल॥ वउमां॥ सदः सवस्व
नश्रीसवंहानाथः सदः नाथमदं श्यनदवं॥
सदः नन्दीहि न्दीगनसाथसंघलिप·नाद्व
प हसनखविनाजिथ्ये॥ हादः नूनं नमूनं गनो
पूनवाजिन·दमनूदिमिकंगवाजिनं॥ हार
द·नावयमऊनंगवाऊं॥ ॥ ॐ॥
स्थाग॥ मंगल॥ नाल॥ श्री॥ ऊसमायाऊाल:
सवऊगामीहनन॥ स्वरूपः रूकिरूपः रूपमा
हिनिदनिमूवगान॥ १॥ विवीधकला
लपः शैदि उऊाऊलन॥ कदयऊगाऊपः
रूपमाहिनिः दनिमूवनाल॥ २॥ ॐ॥
स्थाग॥ मंगल॥ नालबी॥ दोमयायः वदः
वीनाऊ॥ ॐ॥ नयाऊव्रंक्षायाकलसया
पूरा॥ श्राद्धीगिनामकयाऊः होम॥ १॥
घालखकेन्यायः मंगलयाय॥ ऊयपन
कासयाहाऊः होमयाय॥ २॥ ॐ॥

रमेवरवत॥ ३०॥ रमं
रऊसमाया॥ ३१॥
रदोमयाय॥ ३२॥

रनाग॥ ग्वालारबिं॥ गाल॥ साथमां॥ ह्लादः ग्वा
दिनाथश्री ऊमनस्वन॥ ह्लादः रवनगामिमानः
नगाह्द विनूनाहि॥ वहि॥ ह्लादः ननग्नूस्नूना
गुनः प्रनः नाराः ऊर्क॥ नवकिननः रवसागान
मान॥ ह्लादः वृधसननगुमः ऊगानकिनाथ॥
वनं वविमाननथः गाङलमान॥ ह्लाह्लादःऊ
थंऊयंमेलावनाथ॥ ८७१ ॥
आरा॥ ग्वालारबिं॥ गालथा॥ ऊयरऊयनिस्थः
नाथमह्स्वनं॥ ध्क॥ कपूनिपाउनग्नपाःसि
ननम गुवलूपाः ऊसनकृदलङलविया॥
माढिपाह्लालनमिस ऊलिनधूंठगुलिपाः
ऊटसवन्द्रमानङ्कनाउाः ऊयेरऊ॥ १ ॥
नचिंदिंदिप्रमूरवयाः भिृदवागालथासः र
नपनि ऊन उासङ्कया॥ गाउनिङ्करवषनयाः
थूसायाङ्कससंगायाः ग्वानंदनप्यारवनङ्गः

याउः ठयँरठ ॥ २ ॥ स्वादः सिवनाम काग
स्वया पापदकुनगउया ञविनानम इस्ना
कस्वया ॥ स्कन्द्रपमिनपालया श्रीजनवाहा
इन·या ज छिनजाजिप उधान ठयँर ॥ न ॥
ठ्यसिमनाथमहेस्वनं ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रनाग ॥ मूसारति ॥ मालश्री ॥ ॐ स्वनिछिन
नाथयाविननि दुहुन्यर ॥ कामयानसस
हल·धनमकनमहुल·मोहसजिगललइसि
नाज ॥ कलियाकानननेलल नरपापसगुम
हाल·वनथजि जनमङुयाउः ॐ स्वनि
॥ १ ॥ ठपकयया यवाह·पनयाधनसम
नःस्वानजिठ याभलनाउः ॥ कुवुधि कम
निमन·नरस्नायमहुछिवनन·केपाद
यमलजिस्वनाउः ॐ ध्वनि ॥ २ ॥ सगा
नठनयालिन·याहुन्य ठनयिछिन·म

॥ ॐ रागीजिला ॥ ३३ ॥

३८

नतधपूनयाना विउ ॥ लाछिरु स्वस्फ नछाल
तर मुनिनू गालयाघाल इःस्वदकोस्हन कस्व
याउः ॐ स्वपि ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ भूपालि ॥ तालप्रता ॥ ह्नतर्द रुय
निरुनाथ निरंजन ॥ धु ॥ नर्धिहिन्धि सं
सथ मोह ॐ नाव यप्रमूदि नस्वनमिलि हं ॥
मूधवूधनूपव त्र कलाधन ङ नंमाकि कुंधु
लस्वतेः ह्नतर्द ॥ १ ॥ श्रीगिरिवाणरुध
विक्रमसाहदेवनृपतिश्रीमनिनाजु माहं ॥
कदनमनाथ दास गुमानी नावयकिशु
रहूल दसोः ह्नतर्द ॥ २ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ भूपालि ॥ तालचो ॥ साराजसन्यस्व
नमित नाथ ॥ यनमत्वन नथिगामनमां ॐः
जात्रालरामस दोॐ ॥ मदनत्वदः धाउ
ॐ हंनि स्वास्वासिधिदेव देविःसाजा रु

मनस्वन्नसिन्नाथ ॥ १ ॥ मनमीदनदस्वन
स्याङः आगासहिनद्योङ ॥ ब्रंह्मादिदेव
गनस्याकासइ आल· गेलोकनाथदखोङः
नागाजम ॥ २ ॥ निलकाङ्कसंखवगाङः
:स्तुतिवालब्रंह्मा ॥ छत्रधजङचन्द्रकिला
थ्यः जमपनिलजन्पूजः नागा ॥ ३ ॥ गे
जवन्द्रसमानरूपः सिनेलकमलसपिलः
॥ पूनसालधनतिङ नः कनुनाकोमलरस
नः नाजा ॥ ४ ॥ स्वनवाल· विरुकूमाङः
कूपनाथकूपनाध ॥ सुनियस्वामि· नारवो
यिवालख· शुआपदस्वतनसनाथः ना
जाजमन्यस्वन ॥ ५ ॥ ॐ ॥
रवाग ॥ श्यासावति ॥ गालले ॥ श्रुधनप्र
हरवदधनिहालदखोमाहि ॥ धु ॥ पून
वकनंगमाहि· कउनउपायह्योङ ॥ थि

नऊधननपनि·माहन गुमः गुंधन ॥ १ ॥ गु
मानहिनघान ध्याल· गुमनहि गुमनन ॥
गुनिनूपवखऊलमधूनिववनः गुंधन ॥
॥ २ ॥ पननापासिंहसाह· वाहाइनगु
मनक्ष ॥ कालिदाससेवक गुमानिवन
नः गुंधनप्रर ॥ ३ ॥ ॐ ॥
राग ॥ मालश्री ॥ ताल झपि ॥ गुनूशः
ऊयनमामिनिवूधनगाथासनूविंनिवक्ष
नेविस्लाक ॥ ॐ ॥ ब्रेश्वानवपूपकाःस
नखनिंवसालायका ॥ मूलंकापूनया
राङ कृष्णनं धनलायकाविस्काक ॥ ऊ
यनमा ॥ १ ॥ माहादेवं दन्वनूथाय
काः नानांयनं संखपूजकाः वनूदना
मनागनाऊंः ऊलधानालायकोवि
स्काक ॥ ऊयन ॥ २ ॥ वायुदेवं छऊ

॥ ३८ ॥

थायका: मृगनीद वं धूपथनका: ॐनमत्रा
ज्ञं दं दज्ञाना उलसविषकाविघ्नाक ॥ ॐ ॥३॥
त्रुनं ह्रूं त्रैं कृयका· हिं ह्रूंराह्मबामलंगाय
काउ· सरवनारायास्कसेविघ्नानाउपूज्ञा ८
नावकयाअ: ॐयन ॥ ४ ॥ नैत्रिसृपमानेक
नद कलाकशदिटप· मृकासनस्वानउ
मनकाउम्रानन्दनविघ्नाक ॥ वनगाज
न लमाल· श्रीगुणिद्रमहानाउ: क्राकम्
मृनाथउनगुनूषाकसर्न: ॐय ॥ ३ ॥ ॐ
रमाग ॥ मालुअ ॥ नाल ॥ त्रीमां ॥ ह्नादं: मूदिसं
रनाथमदे श्रुनकूलदवं: ह्नादं: मसिमूल
मठाधानि मूर्धवन्द्रस्वरू ॥ ह्नादं: त्रीनय ८
नमूस्वनूप: पोदवरस्वन: रुलगुंगालकोम
दंमनूवाजिग ॥ सानन्दमदस्वनदवं ॥ ॐ

रागा॥ मालउआ॥ मालवा॥ जयनमोश्रीनी

मनाथमहेस्वनं॥ ॐ॥ कपूसिवद्दनसि

वनावाकूधुलहाःमनिमयश्रृगालस्वेन

नाउशिशृनाथस्वनःनंदिहिंदिसवगा

नःसाथलियहनस्वविनाउःजयनमोः

॥ १ ॥ शुनननमूनिजनःश्रृदियसवगा

नःरउनकनियहनस्वस॥ केनि रश्रृप

नाधकेमाकर्माप्रस्तुमःतुमवीनश्रृउ

ननहिद्धहीःजय॥ २ ॥ श्रृनाथसननगा

नि·विननिकनीयसनिःश्रृनाथयानिनंग

नयानि॥ नियनाउनाउस्त्रुविक्रमसाहेवः

ननपनिकनियविवालःजय॥ ३ ॥ ॐ॥

रागा॥ मालउआ॥ ताल·गा ३॥ सादःमूंग

पूनिउाॐवलीमनकेउयास॥ यकेवि

ह्लयकमहकनियहामनिमनःवलिय

= ॐ श्रीमहेस्वर २

= ७ ॥ ॐ श्रीमहेस्वर २

नाग ॥ १ ॥ स्वाद: समयान शु निसुकं:
मनकं उदास ॥ स्वाद: नाजिन्द्र विक्रमसा
ह: तमनृपसिंलोमनि: वलिय नाग ॥ २
राग ॥ मालश्री ॥ तालखरजति ॥ शुंधन नाग कू
मार ॥ ध्रु ॥ शुंधन शुलछेनसंहारक सिलस
नूदामगिइन्ह ॥ कवीर कुमार वननथनरु
न लोकनाथ: शुंधन ॥ १ ॥ स्वायर प्राप्त:
समान नाग कुम्हार: आनाउजिन उान ॥
सगु तिस्या निर्दयान व्यनथनरुन: लोक:
नाथ: शुंधन ॥ २ ॥ गुगु थासजनमहल:
नाग पुत्र गुगु थापसरुन ॥ सपनासमरव:
नाथे वननथनरुन: लोकनाथ: शुंधन ॥ ३ ॥
विद्याधति दविं स्वतिम्ह गथाइल: मुस्क
मिवनक्लनिसाय ॥ ज्ञाकस्क याविद्यामिनलो
कनक्वापाउ: लोकनाथ: शुंधन नाग कु
म्हार ॥ ४ ॥ ॐ ॥

ॐ धननाग कुम्हार ॥ ५२ ॥

रागा॥ मालु अ॥ गाल दामां॥ लिह्न निला ह्न
मिस्क याधान वानमर्ध्याग नस्त लिकन॥
स्या उसजि करखाल: ह्नगु लिमिपाकसे· किंब
कस्क गुपनस्वाक: नाजिन्द्र हिमपान्द व
नन्दन· नसन हनसविस्थाक॥ १ ॥ इस्कधू
सासन· ह्न नकूक्रोधवासे· मू न्हपिकासमं
घानयाकन॥ हिमानयासहलन: ह्रू खगुलू
मनाउ: इर्पमियासनपूनस्वाक: नाऊंन्द्र मि
॥ २ ॥ गादायाझधन· कूमाकि· इओंधनलि
नाउखलस्वाकंह्लाकन॥ वयलिखनाउ
वंमियासपूनघ: लिनाउ· मूस्वथमाला
क: नाजिन्द्रि॥ ३ ॥ गुनविन कूमिनह्नस
हउमटिलावथसशायकझलन॥ छ्विगु
लिवर्खान· ह्लापमह्नयाजिघ: ह्लाकस्क
यामनपूनयाओ: नाजिन्द्र हिमपान्दव
नन्दनमसनहगालविस्थाक॥ ४ ॥ ⊙॥

रागा ॥ मालुश्री ॥ तालसं ॥ सन गुनूः विश्रजि
तवुधयासतंह ॥ ॥ कलियाजि जगमसःम
ह्नयापज्ञावाध्यान ॥ काम क्रोधलोभसगुम
न ॥ मायामाह्वपापद्यजिविनाउमजितलथ
त्तिक्किक्किक्कियासनिलजिदिद्यःसनगुनूः
॥ १ ॥ कूलयाजिधर्म्मजिनं·तयमह्न दिन
दिद ॥ दुःखसजिदुःखनंतुगन ॥ मृन्यगावीं
तलपानतालनाउयनिजद·ह्वलपाहया
जिधंदानःसनगुनू ॥ २ ॥ नुनाथयाध्वव
ब्वन·ढंनाउधर्म्मयास्वामिं ॥ नयमस्वजिपा
पिअनाश ॥ वानापअजिननासं·विअवा
सद्विवनन·बानंक्विनंपूगुलितु ध्यानःस
नगुनूः ॥ ३ ॥ ꣸ ॥

रागा ॥ पहलिया ॥ तालवाद ॥ दसमःन्के कना
अनक्षीदयसंब्वानदेः ॥ नामवन्द्र श्रुगाखम्ह देः
लोःतख्वन्यदेसानितिदेः ॥ १ ॥ ꣸ ॥

श्रीगीतगोविन्द ॥ ४४ ॥

दशमस्कन्ध ॥ ४५ ॥

२ नाग ॥ पहलिया ॥ मालवाद ॥ ॐ ध्रुव कन्यमालः
थिकदयकाओ ॥ ॥ गानशक्ति माया थनजा
न कुलशक्ति ॐ जन मगन कहून्य थनभाओ ॥ न
नयाभूगामथन भूङ गुठि ध्वकनूमः माहन
लसिकछ्छनताउः ॐ ध ॥ १ ॥ शिनजिलस्वाः
ननमओ ल्ल रवलभूनः विनांपून्वनङ्ग द
निओ ॥ निपजागिपन्न कासः ज्ञायलसि कव
वनः गनताओ भूनहलला यः ॐ ध ॥ २ ॥ ॐ ॥
२ नाग ॥ पहलिया ॥ माल ॥ यकता ॥ रवावानः
लोकनाथः ॐ स्वन हृ ॐ ॥ विसननदासिनी
स्यः केओ लप्रगिपालः हे ः कनूनासयः इगांः
नन्नकाॐ ॥ नाक्रीनाथः दिना दयथः मोक्षिन्द्र
ननाथः नपजात्रा दनसननलोकप्रसन्नः ॥
ॐ यदेः ॥ जोगानन्नन्द्र महाजाओः ॥ १ ॥ ॐ ॥

॥ ७ ॥ ताल कथक्षणी

॥ ७ ॥ ताल त्रिविताल

२ याग ॥ पद्लिया ॥ मालख्वी ॥ पूत्रस्वपत्रस
मनिमसि ओमवम्हन ॥ ध्रुं ॥ शुंधनेतगनया
य्वनिओविरू नसः तागयाद्ध नेनसह्लयाउ
पमान ॥ जिध्वक्रयापूख्वूलिसिसेओपलख्वा
नइल ॥ शुवासकेसनसओनाओः पूत्रखपः
॥ १ ॥ तवलयापूत्रवया तागधन दंवुंव
नः दयकलशुख्व नसः ह्लयाउपमाह्म ॥
संसालसवान्यख्वह्निः धमनगुह्मयाओ ॥
मूवलायावव्वनसियाओः पूत्र ॥ २ ॥ सद
ऊह्मः वष्पनि ऊह्मः तलयइयूख्वसः निनिः
गानिस गनितः दयाओह्लवान ॥ ह्मओवि
ऊसख्वूसाओः ह्लइः ख्वदनेख्वओ ॥ विओ
नविविननिपनानः पूत्रख्व ॥ ३ ॥ नप
पनि तप· ंं ध्रुमह्लह्मक्रायूख्वस· सियाओठुं
थनिछुन· विह्मटियानाओ ॥ शुपूत्रख· पू·
त्रखपूत्रव ओ· पामासायख्वओसीओ ॥ विः
षक्रयाधखपत्रिमानः पूत्र ॥ ४ ॥ ंंि

२ पूत्रखपत्रसी ॥ ३८ ॥

दसमैत भै

रागः ॥ पहलिया ॥ ताल गाज ॥ हाँदः घनश्याम
ल हानसाथ श्रोति नासँ सानिरु ॥ हाँदः रुध
विनः द विनिहँः मवन हान दँद विनिहँ ॥ ०ॐ ॥
रागः ॥ पहलिया ॥ ताल जति ॥ बलहुपना
ल मूव पूर्व दवहँहँ ॥ निरु गुम्हस वमिलित
मशुखवसेवहँ ॥ १ ॥ नृपतिमकुनमसिरम
जनहँहँ ॥ दिनिशुनगुमनसकाउनदवहँ
॥ २ ॥ ०ॐ ॥
रागः ॥ पहलिया ॥ ताल लँ ॥ खउपासासथा
नमिजन ॥ ॐ ॥ वनसवशुनिपूसविष्ठाक
नसन ॥ थायाथ्वजिःपि ह्वाँउयामलावःवदा
नःस्वउ ॥ १ ॥ जमूष्मयानिनस जस्वदाया
कायन ॥ रु याउजिमिसाजम जासउानयः
नःस्वउ ॥ २ ॥ कदमसिमाया कमक्विनका
अदिल ॥ शुलूमलः थौनायनमिस्वायासाउ
नःस्वउ ॥ ३ ॥ कृ कग कानूरु याकसनिव

७०

वन ॥ केन कलः केसि गल मूनगा कनान
स्वअपा ॥ ४ ॥ छसघलछिम ह्रु के अ
मलूमना अ ॥ मनदम ह्रु यामलमनि
अमि उनः स्वअपा ॥ ३ ॥ पिनमियापा
मनविना अजिगल ॥ लमि कलः उनलाना
नसयासा अनः स्वअपा ॥ ६ ॥ ꣸ ॥ नाग
नसाध्व उयाविनमि छहन ॥ मघनथः पून
या अम्बपालप्रहनः स्वअपा ॥ १ ॥ ꣸ ॥
रनाना ॥ पहलीपा ॥ गालरा ७ ॥ हनि छिघी
नानमेवमरु मून्यरा स्वयाअ ॥ ६ ॥ मेरु
यास्वयानअस न दनग्वपालप्रह विवा
लानियाना अस्वजिनः हनि ॥ १ ॥ पः
नेमय्वछा यछिन मिसा याह्रु वल ॥ ह
मयायेम मे छि नछि ववद छैन्यइलः
दामपान याना अछा अछिनः हनोः
॥ २ ॥ हगासन अयाथन मदनहि

(लिपि छिं ...) ॥ ७२ ॥

लाओ ॥ सद्दत्रविनमि द्दनिः छ क जक माल
मिओ· आयमा नि थन बानँबानँः द्दनि ॥ ३ ॥
नसयाखन्नसन इ ॐ ओनीदान ॥ पिन्नमी
यापासाथन· द ॐ ओनकायाजोन· कपनि
पिन्नमिपासँ कै दः द्दनि ॥ ४ ॥ ज्ञाकझान
ज्ञासमयाबिबालुयानाओ ॥ सँसालजगाः
गछिनलखलपूविस्काकझ· दनसदघि
यञ्चलछिनः द्दनि ॥ ५ ॥ ०॥
रागे ॥ पदालिया ॥ मालगाउ ॥ थओविसँ बानबी
नाओपालाद ॥ उपासननयः द्दयमाउमिन छुबा
न ॥ १ ॥ कुपद्मसखेसः पन्नओटिघसनाओ ॥
समछिद्द मिसः कदूमिख्नूनोनमओमके ॥ २
कूमिविमलयाः इःखर्द्ध नोओखज्ञाय ॥ पन्न
सघइयः मेलखबालसक्राओ ॥ ३ ॥ सिव२
ओन· गठमगओशुनाद ॥ लाद्दनठनादः
छ द्द मिख्नू नोदसओमके ॥ ४ ॥ पन्नमायम
ल· ज्ञायममिओशुनादँ ॥ मिमाज्ञादलयायः
यायः याद्दओशुनिन ॥ ५ ॥ ०॥

॥ ७३ ॥

नोगा॥ वलादि॥ गालपक्ष्मां॥ जुमिन
जुंधनदसः कान्तिपुरिनामदयस्वत्र
॥ ओन्यखेमवागामगिं ॐ आखविक्रम
गिधनमयाथास॥ निपालभूधिपतिः
वाघइपशुपतिपृंछउग्रपतिनमनस
गेउनिन॥ नमनसगेउनि हजुमपात
वनियाकपत्रथिथि कन कन्दुइरागनि
॥ थ्वदः दनदसयासान॥ दासयानाओ
थोनथिथिमूनकाओ॥ निनियापूनुख
छक्षधनमयाज्यासा॥ श्रीहवनलक्ष्मिः
देविनह्लोक॥ श्री॥ लास्कनमल्लमहाः
जाऊ॥ ॥ ☸ ॥
नोगा॥ वलादि॥ गालले॥ हल्लोक हव
नलोक हमिसत्यासिनयानथने॥ मा
हालोकजर्म्मलोकनयलोकनसैयलो

२ जुमिनजुंधन ॥ ७४ ॥

२ हलोकहवन ॥ ७५ ॥

कजाकन ॥ १ ॥ थ्वमंगलयानूगालस·नउा
ज्ञिप्रमान·व्रथमयाजाव्राउासमअलवाहाल
॥ धर्कू ॥ नथ्वअकोासपञ्च दवि·हनटटंक्किल
यलिवाकन ॥ हाकूगुगम्वानगल·नह्राउा:
थ्वंथ्वकसालनथ्वकन ॥ २ ॥ उासजाव्राम्व:
वाञ्चन·घहानहाउासवाउान ॥ कस्मिकाउा
हववनसद्धिवाउानसवालन ॥ ३ ॥ गुवर्छ
पूनियाजाव्राउास·लगानसमाईलम्वयान
॥ गुयम्वद्धकि दवलोक ॐ स्वनियाविमान
सवासन ॥ ४ ॥ कर्णटकयाहनिमनिहल
याजाद्धलमाथन ॥ लोकनाथअनामकाल
नथ्वअवननानह्मालश्रीनिवासन ॥ थ्वमंग
लयानूगालसं ॥ ५ ॥ ॐ ॥
२नाग ॥ वलादि ॥ गालवा ॥ जय२ पन्नसिव:
नृपसन्नेगय ॥ निजगुदासंगय:कनवह्रू नेगय:

॥ १८ ॥

यकायसमित्रिल जनिमूखनिनः वहू विधनूप
धन ॥ १ ॥ वातिपनाथ मदनमनानथ ॥
वनथ ꣳ सानथनिनसनीकहेः कुमुदि
निनाः थजगानजयनभओः निजगुमसंगु
नथनंरथ ॥ २ ॥ ꣳ ॥
रनाग ॥ वलाति ॥ नालसं ॥ मनसमीहन
प्यातिशुनिय ॥ ध्रु ॥ मनेमिजप्यानपिया
मसवहुतिपाहं ॥ वालनः मूपनाडीःनसलि
याहःमनः मनस ॥ १ ॥ ननपतिमनित्र
नः वाहाइनसाःहव ॥ नाजिन्द्र लक्ष्मि शुनः
पति हे याहःमनः मनस ॥ २ ॥ ꣳ ॥
रनाग ॥ वलाति ॥ मालवी ॥ शुनिपरसूनी
यशुमवन्द्रवदनमूखशुनिय ॥ ध्रु ॥ मू
पूनूवदं खियःमादनेहꣳय ॥ वक्कलेः
मतिमनहाꣳ जगुमःचन्द्रव ॥ १ ॥ गो
हनसाꣳ यहनथहꣳस ॥ हवननप

मनसमीहेना ॥ ८७ ॥

श्रीविषद्गुमा ॥ ८८ ॥

तिसमसाॐहः तुमवं ॥ २ ॥ श्रीनगवाराइ
न·साहवविनूप ॥ सिजाजियकविगाॐ य
तुमवन्त्रवदप ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ वलाति ॥ गालरं ॥ छकगुनलूमजि
उगालक्षमस्ठ याजिन ॥ शुंधनिद्धयप्ठनः
सगलगुमाधजि उः शुंधनिजिववधदउ
॥ १ ॥ स्वलयाजिलस्वान·वानेंक्रिनेंलूम
निउ ॥ स्वलमङकस्वानधितनसवान
वपनः प्रलङ्गजिविनतिदउ ॥ २ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ वलाति ॥ गालवा ॥ शुनियइजिवधशु
धनिवाटसूनिय ॥ ध्रु ॥ सूकुलिरपानिसूनूरव
सूरपानि ॥ विनलागिस्वलिखिलः जिवधशुंधनि
वोनसूनिय ॥ १ ॥ विधगिवीनिसूनूरवसूरपा
नि ॥ नहिमानगालपिलः जिवन ॥ २ ॥ ॐ

भूपप्रियकान्ति ॥ ८५ ॥

रागः॥ वसादि॥ तालं॥ भूपप्रियकान्ति
मनिमनिः शुवाह्नयामसंनवि॥ कूंनलाना
ममत्विवृधिसदक्षनआल॰ मूवह्मसलाः
कनन्यकूंज्ञाङ्॥ १ ॥ विक्रमनथायानःप
कूवृधदअइर्योगमि॥ हपानिपृथिविनः
विक्रमसाह्लदेवः मूवह्मसलाकनडकूं
ज्ञाङ्॥ २ ॥ ॐ ॥

लासमनग ॥ ८६ ॥

रागः॥ वसन्ति॥ तालं॥ लासमनगः मडिं
दननाथयासनदा॥ ध्रु॥ प्रथमअसगाद
वृलिवीस्काताः सनानज्ञाग्राज्ञयाक॥ प
क्षनपानवलः धलपज्ञाआउपाधालंमिल
संलाकः सनदा॥ १ ॥ मूलं हउसज्ञापः
लचाविस्कानानथयाइनविस्काक॥ लाकः
यादनवनः उालचाज्ञीदाउ॰ नथज्ञापू
शुह्मनह्नाकः सनदा॥ २ ॥ ऊसयात्र

पसघमालं हनाउगापिंक्षस्वलजालाः
क ॥ नथयाक्वसःपगुलिवक्रमहगटनँ
ङ्क्षिलाउखाकःसनय ॥ ३ ॥ उसयाजाः
त्राजास्वपगुंधकाउलीकजामूगुंखा
क ॥ उसयानथजाःध्वकचूलाउलीक
जामूजिनँरखाकःसनक्ष ॥ ४ ॥ क्लाकम्ह
मूनाथयाम्हसाङ्क्षिङ्कम्हयात्रीहवक्षन
जाजायाक ॥ जोगामनेन्द्रमल्लयालाउन
हजनाङ्क्षिवँगुंलाकःसनय ॥ ५ ॥ ॐ ॥
स्वागा ॥ माजविजय ॥ मालखा ॥ जयकनूम
मयमङ्क्षिन्दनाथ ॥ ॐ ॥ वालस्वगुंजम
उनसानिलयास्वलामःलूयामगुकनपूया
ओ ॥ राजमीटिमनिमजःक्वरवानूगालसः
लाउग्यजक्षमदगँउपमानःजेमकनू
नामस ॥ १ ॥ वृंक्षादिदँवगाक्ष·हगागी

॥ ८३ ॥ स्वयम्भूकथा ॥

नमलक्ष्मखनाउक्षिपूनूषपूनाद॥ मूनि
नमभागान:हजलपाक्षिवेनजेपगापदे
लाकवनदान:जयक॥ २ ॥ कानूनाके
मकखसमूनिसननसदस·गलख्वनु:
हवथदिलाउ:॥ दालक्षिक्षुनुयानुथ:
जससषनागाथहिंॐउक्षुयायूवनखा
न:॥ ३ ॥ दविवन्द्रलक्षिनक्षावीनटि:
ववथदयादसंक्षनहवावाम्थ:॥ धनि
ललिकापूनीयाःकामूथाविक्षुसल्लयापू
ननयाहून्यक्षपाथ:जय॥ ४ ॥ ॐ॥
स्नावा॥ वाजविजय॥ गाल॥ श्वोमां॥ नमा
नमादविक्रीखवन्यानानि॥ लं॥ जवागमा
हिनिमानाश्रीविद्याधनिदवि॥ प्र॥ श्रुजे
क्रिटिमजथूलरअस:दविरवानिक्री
हखन्यानानि:॥ श्री॥ गालसमालयामा

॥ ४८ ॥ [illegible]

लम्हुमिस्वलालाकः ॥ लं ॥ सिलसमगुकल
यावचन्द्रकलाधिकः नमोर ॥ १ ॥ विष्णुम
मिलद्रुमसिसंगागिनधयाथास ॥ प्र ॥ श्रीः
भिनीगाहमूनिरकाउः दविलवानिश्रीर
न्यानाहिः ॥ बी ॥ हालम्पालतनउसम्हमि
स्वलालाकः ॥ लं ॥ मुगुतसंहानयासतस
घविघ्नाकः नमोर ॥ २ ॥ ह्लाकम्हयानंन
मनक्किवनमसनन्नः ॥ प्र ॥ कनूमदयाउ
ङ्किनरस्वउः दविलवानिश्रीरवन्याना
निः ॥ बी ॥ ह्लाकम्हजयप्रकासयाउम्हसया
ध्याहः ॥ लं ॥ संसालउधानयासविघ्नाक
नसनः नमोर ॥ ३ ॥ ॐ ॥

रागा॥ नाटविजय॥ ताल॥ त्रीमां॥ मेला
केशाथश्रीकनृनामयस्वेगेवर्दि प्र:
कास्यः गनिसखेटिदवजगानसगोप्रा
निउधात्नं॥ ममदुःखमानम्ह देशाव
गुवरीहलदागा॥ श्रीलाकशाथवनन
समय॥ ॥ ॐ ॥
रागा॥ कदार॥ तालसं॥ रवानिहेः धूत्तु
दुःखहगकिनशानं॥ ध्रु॥ वालखयाज
नमसङविकजिपापसन॥ स्वयश्यलक
नृनामिखाद्यःरवानिहे॥ १ ॥ धनजदा
तालताआज्ञयधूदाभूवर्म्मसन॥ भूरघा
नियामयपूत्रयाऊःरवानिहे॥ २ ॥
वननसनदाविऊह्निपालिनीपापाक
सन॥ मश्यनयनीकालसंआनाऊःरवा
निहे॥ ३ ॥ पापमहलह्निनजनङ्गिर

नेलोकंनाथ॥ ७८ ॥ ध्रा॥

नेवानिहे॥ ७९ ॥

क्षियाधंयाक्षन ॥ ओनयाज्ञिमनिलगनाओः
हवानिर्द्दः ॥ ४ ॥ ज्ञाकक्षक्षिवालखया
ल्माझलक्षिक्कक्षयान ॥ जनमजनमक्षि
मननः हवानिर्द्दः ॥ ७ ॥ ०००॥
रागा ॥ कें दान ॥ गालपलिमां ॥ मननमल
तिलनिवलीमूवजा००॥ वउदिगमूखर्द
खिमक्षथितकोन ॥ नओगालपूनमवलि
पवलिय ॥ १ ॥ निजरगुक्षकर्दनमीरगा
०० ॥ नाजिन्द्रविक्रमसाहनूपगुक्षगाओः
नओगालपूनमी ॥ २ ॥ ००० ॥
रागा ॥ कें दान ॥ गालप्रगा ॥ ओरवक्षजा
नहि ॥ ध्रु ॥ वलीमूवमक्षनथपूननल
०० ॥ निजरजपनसक्षन गनमिला००२
॥ १ ॥ लमिकमिलामनिनूपगिवना००
॥ लक्षननवाहाइनकोविष्णुखगम००२ ॥
ओरवक्षजाहि ॥ २ ॥ ०००॥

रागः केदार ॥ तालः जति ॥ दतिनंग
मानः विधाध कनापिः दतीनंगमान ॥ ध्रु ॥
वनचकिनाजस काहाजपनानी ॥ संग
मिलिकाहावलानाजपनापिः दतिनंगः
मान ॥ १ ॥ दाटावकेनामकाहाजावि
वानी ॥ रूपलनागुगसाज कनापिः दः
तिनंगमान ॥ २ ॥ ॐ ॥
रागः केदार ॥ तालः लं ॥ सखिवहेः सप
नामेन्या ॐलाधुंधनि ॥ ध्रु ॥ कमललय
नवसमनमोहकियानसहे ॥ सियासिंहा
नविकुमूलालेः सषीहे ॥ १ ॥ विधूलिन
कंसवमनमोह कियालसहे ॥ जवदथा
नलिकसानालेः सखिवहे ॥ २ ॥ सपनामे
दखोजाहि·पदसपूनरवसाहिहे ॥ विनू
दखग्रासमोनजाॐः सषीहे ॥ ३ ॥ ॐ ॥

दतिनंग ॥ ७९ ॥
सखिवहे ॥ ८० ॥

२ताया॥ केदार॥ मालःश्रि॥ हवानिक्षिवननसन
यसदान॥ ध्रु॥ धृगुलिसंसालसकपनमय
हलधनसविवालसयाक॥ सोदयावसरा
सनृजिदहलपूपापयाहयधसमथाकः
हवानिक्षि॥ १ ॥ख्वृगुलिवर्गोसझायलः
पाउमलसलीलसृनिश्वखनाउ॥ पलला
लखह्व जिःत्रेःधृगुलिजिअउजिमवोध्यपि
ननसदाधःहवानिक्षि॥ २ ॥गुमाकिकम
दिनिदैविसलझलपू·मृगुजिहझयखना
उ॥ मृनाधझनपमि·सनधसवसइ·क्षिक
क्षविनाससहायःहवानि॥ ३ ॥ ॐ ॥
राग॥ केदार॥ मालःप्रना॥ गुआखृउसृंक
नससिनहैदाह्ववान॥ ध्रु॥ नृपगुसवैया
स्वान·वासनाह्वनयोमाउं॥ धआनृपथम
नङ्गसिइःखयाखझाओःगुउखृ॥ १ ॥खव

दावनिस्वानयामालकाखासनयाङिन ॥ म
ल्समनगाथ्वङिसनूगालसङ्किनः गुडाखूः
॥ २ ॥ क्वंथाआनङिमनसउ ॐ निथ्व
वासमन ॥ अविनासगाथ्वङिसल्सस
वानः गुआखू ॥ ३ ॥ ॐ कामथ्वंथीकाम
थ्वंखूसिदथूसङिलाके ॥ वासआन-वान
वानअनथासमइः गुअखूः ॥ ४ ॥ गुः
सहिअङिलस्वास-नस्वानाप्र कृवास ॥
हनासमन्वालमप्र-हनिसमकाअः
गुअखूअपूने ॥ ५ ॥ ॐ ॥
रवाग ॥ कैदान ॥ कालः जनि ॥ शुनगु
नूङिहं २ गविनूजानि ॥ हमानिपूर्नं
धन काहगमप्र किथीहं : शुप्रगुनूः
॥ १ ॥ नूनदिनिनायकं गविप्रजानिः
॥ हमानिपूर्वाधन-काहगपमिकि
थीहं : शुनगुन ॥ २ ॥ ॐ ॥

॥ ४३ ॥

२ राग ॥ बिहांगरा ॥ तालप्रमा ॥ हेप्रासविन्
जुनमसविननि हमानाः ॥ ध्रु ॥ वधिमनि
जउलसविकनहिधित्रः मवनमकनिद
होम्वनः ॥ वामक्ष्म दखियकनसख्लव
नार क्षिसकनदहोसदानः हेप्रा ॥ १ ॥
हेप्रियजुं धनिवाकहमानिः होमिसूख्वः
लाम्नजपूनि ॥ श्रीगिनिवागइधविक्रेमः
साहेवेरखनसकमलउसध्यानः हे प्राः
नविनूसृसनस ॥ २ ॥ ॐ ॥
२ राग ॥ विहाग ॥ तालजति ॥ निउ२ कुलः
दखिल जसकनियः ॥ ध्रु ॥ आनन्द ल ॐ
मसनमिवलाजाय ॥ मनन्थपूनन ल
यामनिक्ष्याउः निउ२ ॥ १ ॥ पापिद्धाहि
दाधव·वन्धल ॐ म्याज ॥ माजिन्द्रविक्र
मसाहादेवनजुलानेः निउ२ ॥ २ ॥ ॐ ॥

रसाग॥ विहंग्रा॥ कालप्रम॥ ढुंधूंधूंम्ला
लिपिनमको॥ ॐ ॥सपनमेपनकह्
नायानम्रा ॐ यः ऊउलदनमसवलियेः
॥मवशमिलनः कासाऊउकासाकह्ः
विनदनमाहिनिलिनः ढुंधूंधूं॥ १ ॥
धिनऊकनढुमः त्रीलवसकोमवः पदस्य
दलखिदरवाउ॥ छुननन्नकिंदतः नाः
गानदानकः ॐ नमापियपहिवानः ढुं
धूंधूंः॥ २ ॥ ॐ दानीनाहिमनः पिनमदा
सोखिः हीनिलरवासूउननकोहि॥ वि
तलरवामखिः ज्ञानवनिमानाः ऊधवः
कूलसवलरवाः ढुंधूंधूंः॥ ३ ॥ ऊधूकूः
लमासवदेरवनवोक्षान नुनिवद्धदः
षिसनमसाजिः॥ रपमकुमनीना
ऊप्रकासकह्ः नजिपकिछुनदमः
ऊानुः ढुंधूंधूंः॥ ४ ॥ ॐ॥

॥ देवि ॥ ढुंधूंधूं ॐ

रागा ॥ विहाग ॥ तालप्रता ॥ शुं धनप्रालसूनि
पविथनिमनि ॥ ध्रु ॥ कामवाणप्रहानकत
नहँ दह नमनिलमनि ॥ ऊ वनिकलहाँ ०
तुमनिलक्षसँ ॥ नवहाँ ० नक्षमनिधिन
हाः शुं धन ॥ १ ॥ स्वनमिंहान मूहस्वक्षप
हनुं तुमविनूक्षहिनेलानथ ॥ सक्षमूल्वदः
धिपव दनमाउाल ॥ नवमनिनसपोगपः सँव
हाः शुं धनप्रालः ॥ २ ॥ ०ॐ ॥
रागा ॥ विहाग ॥ तालप्रता ॥ श्रीहवनजान
हिः ॥ ध्रु ॥ वलाप्रवमनानथपूननं ० ॥
सिजहजपनसननननमिला ०रः श्रीहवेः
॥ १ ॥ नृपनिमकृनमनिनमउाँ ० यानिः ॥ ह
क्षननबालाइनकवीशुस्वनम ०ः कविमस्व
नम ०ः श्रीहवनः ॥ २ ॥ ०ॐ ॥

२ राग ॥ बिहाग ॥ ताल: जति ॥ आउआ
उविष्णु विंद्या कुल लुँ कुँ आहुँ ॥ ध्रु ॥ उ
लैधन माया हुँ पानवलि दे खिवकै ॥ वि
नुध हुँ पानवनि: आउआर: ॥ १ ॥ कउ:
लके कुललाहुँ: नृपनाथ वेलान: ॥ मूल
श्रीकृपथनहाहुँ: आउआर ॥ २ ॥ नृवल
हुँ विंद्यानृगिक्षिप्रस: ॥ सवसखिविलाप
हाहुँ: आउआर ॥ ३ ॥ नृपति श्री श्री वाघ:
रुध: विक्रमसाह देव: ॥ सवसखिविधिन:
उलाकनेना: आउआर ॥ ४ ॥ ईँ ॥
२ राग ॥ नामकलि ॥ तालप्रता ॥ माजपुदि:
लहयानस्वलि आहुँ ॥ मनमेसनसान्य
कविनह वजुदेव: वलानृवधिपघ:
नआहुँ ॥ १ ॥ नाजिन्द्र विक्रमसाह
देवनेलान: ॥ विद्याहानसकविनन
देवसगुदेव: वलानृव ॥ २ ॥ ईँ ॥

२ श्रीगणेश ॥ ४ ॥
२ श्रीकृष्णजिव ॥ १०० ॥

रागा॥ नामकलि॥ तालजति॥ प्रभुस्वामिप्राः
णनाथसननजिउया॥ ध्रु॥ किंतिजाकिगुरुया
निपावलंथथारमाशप्रभु॥ लुपमानडुःखःवि
सनयापनिप्रभुः प्रभुस्वामि॥ १ ॥ क्षिणापागुरु
पमाद्यालमनकेमालप्रभु॥ किंतियाविद्याः
निःछसकनृत्यादयमालप्रभुः प्रभुस्वामि॥
॥ २ ॥ हिनशजियायधकाञ्जसंष्ठनागाअ
लप्रभु॥ नमासजिवावाइलःदस्यधिनयाः
लप्रभुः प्रभुस्वामि॥ ३ ॥ मालामागावक्री
वर्किबोल्लामूलक्लपाल॥ दोदागुलिक्ज
मायासकनृत्यादयमालप्रभुः प्रभुस्वामिः
प्राणनाथसननजिउया॥ ४ ॥ ० ॥
रागा॥ गंधा॥ तालःजति॥ सनगुनृवजसमा
नृनिक्षनदेवया॥ ध्रु॥ सदिमाखब्लायजि
नजाराध्यादागुनया॥ गमिविसमगुरुगालिः
यापासंछत्र्यजन्मिःसनगुनृः॥ १ ॥ अक्ष
या

॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥

सृगनमसियाः वनदज्ञानमसया ॥ सृधनम
मृस्थानिड्याः ह्निपालिष्कमसियाः सनगु
नृ ॥ २ ॥ कलिसजनमड्याः स्नीनमाहस
तुमाया ॥ दादपूंन्यधनमनृनगाजिमस
याःसनगुनृः ॥ ३ ॥ कनमससड्नाया
जपनयजिमसया ॥ क्कनिरजिपापिया
क्कमायाउाह्नयाःसनगुः ॥ ४ ॥ ꣽ
रनाग ॥ सानथ ॥ गासखनगा ॥ नाड्मान
थुनक्त्रासवमसनमाहनमाꣽ ॥ धु ॥ व
लिस्यनसस्मिमाꣽ ॥ पनमदेविनाद्यः
॥ १ ॥ नवनसनिपवसानविनाꣽ ॥ द
विकमद्दिनानिप ॥ २ ॥ ꣽ ॥

श्रीस्मारा ॥ १०३ ॥

स्वाहा ॥ सात्रथ ॥ मालप्रमा ॥ गंगामा ॐ ।
नितमल लंखहू फि: विष्णा कनथसदना
उं ॥ ॐ ॥ पशुलिदिगास: उाल थाखि उस:
। अवृगुसूपाखद: सनक्षनवनसक्षङ्:
यकाउा: विष्णा: ॥ १ ॥ मनूख्याशाफि
पफि: नितमललंखहूफि ॥ हमिसंङ्स
खाद: लंखहिला उाकनूनानंस्वया उा:
विष्णा: ॥ २ ॥ वृंष्णाविष्णुन हेस्वन: ॐ :
न्द्र हगवाद ॥ दया खाके द वला का: दव
दवी: वन्द्र कुर्ज सहि नद: विष्णा: ॥ ३ ॥
प्रगियालयाउा छिल: मूपानियामनकि
उा ॥ याउाजिउ भन: कोटि रक्षा कम्या
विदकि: विष्णा कनथस दथाउा: गंगम
मा ॐ नितमललंखहू फि: विष्णा कन
थसदनाउा: ॥ ४ ॥ ॐ ॥

॥ ४०७ ॥ ॐ

२ राग॥ स्वनथ॥ तालप्रमा॥ जा ॐ बला
पि॰ बलाम्पूवनाजिनजा ॐ बलापि॥ धु॥
कपनमूंगाल्वतः सम्हृमूसृधान॥ बल
नद्वसंत्रौरसापलियः बलाम्पूवनाजिन
जा ॐ बलापि॥ १॥ कल्हनहपनि॰ त्री
वनबासाइन॥ धनकनसम्हृलियःख
लनजा ॐः बलाम्पूवनाजिन दरवनग
ॐः बला॥ २॥ ॐ॥

२ राग॥ नाऊविगय॥ ताल॥ त्रीमां॥ स्व
यंहन ॐ नवउलमनकपनगाृ्श्वेनवन
धप्रकाम॥ सिलस॰ समिंधून॰ नावय
हनखिन॰ वालउपङनिवास॥ वाल
ह॰व॰ धनिॱखनि॰मृङकोलस्याम॥ पाप
हि॰म॰ हिनखनिः मृङ॰कोसः स्याम॥ हद॰
वद वै॰खनगसननः॥ ० ॥ ॐ॥

२ जा ॐ बलापि॥ १०८॥

२ स्वयं हि ॐ न॥ १०९॥

ग

रतागा॥ नाऊविजय॥ नाल था॥ जगासुनि
नन्नाथ·दमरवद्य याकनस्‌लजयउाक्रः
ञुस्नास॥ नुमंगलह्निगकेसयाह्नन
मंगाल॥ नगानेरवस याक·उाद्यप्रमिपा
ल॥ जगानसः॥ १ ॥ धृष्टगुलिजस्तवि
स·थासथास·ध्यागामिसा॥ मीलमाला
गलस्‌कोरवासः जगानसः॥ २ ॥ देव
नुहुनुननु·था द्यागनसम॥ सकेलग
उनिउास्‌नृदिकउलाकः जगानसः॥ ३
॥ लक्ष्मिकलेजगपाल्‌नयाउ·वन्द्रमा
वाद्य॥ नृसानसविष्णोनाउः उानथास
याकः जगानसः॥ ४ ॥ नसंरवगुह्याया
कऊ यपनकासंद्य॥ मदनउौउाक्रःगु
द्यायावद्यानः जगानसः॥ ५ ॥ ॥

२ जगानमस निमें ॥ १०७ ॥